UMEED
Together we can !

Crazygreen's Newsletter

Save Yourself

Vol. Issue: 6

Issue Date: Apr. 2016
For internal circulation only.

Editorial Column

Earlier they were unprivileged / Rag pickers now they are Udaan Kids. Earlier they were social workers now they are crazy members. Crazygreen has always changed the way people think & did better for society. This quarter was full of energy & enthusiasm, from the celebration of 5 years completion of Udaan School to the Educational Trip to Delhi from the opening of Prayas school to a remarkable bench mark in medical fields.

- Anurag Seth

प्रयास स्कूल
(शिक्षा सेवा का क्षेत्र है)

''प्रयास स्कूल'', क्रेजीग्रीन एंव आश्रय फांउडेशन की नयी पहल है यह सिद्ध करने की, कि शिक्षा सेवा का क्षेत्र है व्यापार का नहीं। प्रयास स्कूल एक ऐसी कोशिश है जिसमें अच्छी शिक्षा न्यूनतम मूल्य पर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। प्रयास स्कूल में एक बच्चे का वार्षिक खर्च मात्र 2500/– रू० है। जिसमें किताबें, स्टेशनरी एंव ड्रेस भी शामिल है। बेहद गरीब बच्चों को पढ़ने का अवसर देने के लिए बच्चों को गोद लेने की योजना शुरू की गयी है। जिसमें लोगों द्वारा 26 बच्चों की शिक्षा को गोद लिया गया है। क्रेजीग्रीन भविष्य में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बहुत से ''प्रयास स्कूल'' बनाना चाहते है जिसमें शिक्षा से व्यापार खत्म किया जा सके

कागज़ सस्ता, हर हाथ में बस्ता,
इतनी सी एक आस है।
शिक्षा के इस बाज़ार का दर्पण,
अपना यह 'प्रयास' है।
ना कान्वेंट की मोटी फीस
ना सरकारी सा ठाठ है।
अपनी तो हर टीचर प्यारी,
बच्चे उनकी जिम्मेदारी,
उनको ये अहसास है।
ना कोई भेदभाव है।
ना ज्ञान का कोई अभाव है।
शिक्षा के इस मन्दिर को यारों
हम कहते ''प्रयास'' है।

प्रयास स्कूल

– सुनील कुमार

Ist Session started on 4th April 2016

Admission Open

Prayas School

Nursery to 8th

Fees 150/-

an initiative by

Crazygreen & Ashray Foundation

• 9634200601 • 8449000600

LINK ROAD, SAHARANPUR

"स्वास्थ्य के क्षेत्र में"

क्रेज़ीग्रीन स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी सराहनीय कार्य कर रहा है। दो वर्ष पूर्व शुरू की गयी उड़ान चैरिटेबल डिस्पैन्सरी जहाँ दो हजार मरीज़ प्रति माह को इलाज उपलब्ध करा रही है वहीं आश्रय फांउडेशन और बहुत से मददगारों की सहायता से बेहद गरीब लोगों की जिंदगी में उम्मीद की किरण भर रही है। पिछले तीन माह में क्रेज़ीग्रीन ने स्वास्थय के क्षेत्र में निम्न कार्य किये:–

1. लगभग नेत्रहीन लड़की अनु की रोशनी की सौगात :– मार्च माह में बेहद गरीब माता– पिता की सन्तान अनु की आँख का ऑप्रेशन कराया गया। अनु जन्मजात मोतियाबिन्द से ग्रसित थी। गरीब होने के कारण अनु के मां बाप उसका ऑप्रेशन कराने में असमर्थ थे। आई क्यू के डा. अनन्त अग्रवाल के जादूई स्पर्श, श्रीमति मंजू सिंह (धर्मपत्नि ज़िलाधिकारी, सहारनपुर) एवं श्रीमति विजय श्री शुक्ला (धर्मपत्नि नगर आयुक्त, सहारनपुर) एवं मीनाक्षी कपूर के सहयोग एवं क्रेज़ीग्रीन की मेहनत से अनु का ऑप्रेशन हुआ और अनु की आँखों में भरपूर रोशनी भर गयी।

2.सोनम के बहरे कोनों को आवाज़ की सौगात :– कबाड़ बीनते भाइयों और शराबी पिता की बेटी और तिरपाल से बने घर में रहती सोनम के कान बचपन से बहते रहते थे। अमल गर्ग और दिव्या बजाज के प्रयासों से उड़ान के सभी बच्चों के कान चैक कराये गये तो चार बच्चों के कान के पर्दे में छेद निकला एंव सोनम के कान लगभग सड़ चुके पाये गये। डा. संजीव अग्रवाल जी ने हमारे निवेदन पर सभी बच्चों का नि:शुल्क इलाज किया और बेहद कम खर्च में सोनम के कान का ऑप्रेशन किया। आज सोनम ठीक हो रही है और अच्छा सुनाई देना शुरू हो गया है।

3. कृष्णा को मिली खोये हाथ की सौगत :– मार्च माह में कृष्णा के हाथ का ऑप्रेशन कराया गया। कृष्णा को दौरे पड़ते थे जिस कारण एक दिन वो चूल्हे में अपना हाथ जला बैठी। हाथ जलते ही पति ने छोड़ दिया और दो बच्चों की मृत्यू हो गयी। तीन साल से कृष्णा अपने चिपके हुये हाथ के साथ ज़िंदगी गुज़ार रही थी। डॉ. आई. जे. गुप्ता से निवेदन करने पर उन्होंने कृष्णा के हाथ की नि:शुल्क सर्जरी की। कृष्णा के हाथ को बिल्कुल ठीक होने में छ: महीने लगेगें लेकिन कृष्णा खुश है क्योंकि उसका हाथ उसे वापिस मिल गया।

4. गूंगी बहरी लड़की के लिए आशा की किरण :– मार्च माह में क्रेज़ीग्रीन स्वंय सेवकों के लिए ज़बरदस्त खुशियाँ लेकर आया। कहते हैं खुशियाँ बाँटने वालों के हाथों में भी खुशी लगी रह जाती है। स्वास्थ्य मिशन में हमें मिली पायल, जो कि लगभग 10 वर्ष की है तथा साथ ही गूंगी / बहरी है। लेकिन जब डॉ. संजीव अग्रवाल ने उसकी सभी जाँच पूरी की तो पता चला पायल मशीन की सहायता से सुन पायेगी और लगभग छ: महीने में बोलना शुरू कर देगी। भगवान का क्रेज़ीग्रीन पर अपना हाथ है तभी उसने हमें खुशियाँ बांटने की ज़िम्मेदारी सौंपी है। पायल को आशीर्वाद दीजिए ताकि वो सामान्य जिंदगी जी सके।

क्रेज़ीग्रीन द्वारा किये जा रहे सभी कार्यो में साधारण लोग छोटी–छोटी सहायता करते हैं और इसी से होता है एक बड़ा यज्ञ। आइये दोस्तों साथ मिलकर चले और बदले भारत की तकदीर।

After Holi Celebration at Udaan.

After Delhi Trip of Udaan Kids.

"कला समाज का दर्पण"

हर बालक में एक कालाकार छिपा होता है। 'उड़ान स्कूल'' की सफलता के पांच साल पूर्ण होने की खुशी में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें नन्हें नन्हें हाथों से रंग बिरंगे चित्र बना अपनी बालकला को उजागर किया। मैंने बच्चों को ''Best out of Waste'' बनाना सिखाया। ज़रा सा प्रोत्साहन पाकर बच्चों ने सुंदर कलाकृतियाँ बनाकर अपनी छिपी प्रतिभा से परिचित करवा सभी को चकित कर दिया। ये काम उन्हें इतना रूचिकर लगा कि वे नवीनता लाने के लिये अपने सुझाव भी देने लगे। यह कला प्रदर्शनी का अन्त नहीं, शुरूआत है जो भविष्य में निखर कर आयेगी। ये हम सब का विश्वास है।

बच्चों ने बड़े उत्साह और लगन से प्लास्टिक की बातलों को काटकर पैन स्टैंड, गुलदस्तें, गमले आदि बना कर रंगों, सितारों, रंगदार टेप, रिबन आदि से सजाया। इसके अतिरिक्त गत्ते के खाली डिब्बों से गुल्लक, चूड़ियाँ और आभूषण रखने के डिब्बे बनाये। पेपर प्लेट और थर्माकोल की प्लेट से मुखौटे और मछलियाँ बनाई। थर्माकोल व प्लास्टिक के गिलासों से खरगोश, कुत्ता, बिल्ली, हाथी बनाये। आईस्क्रीम के चम्मचों से सुन्दर डिज़ाइनदार चप्पलें बनाई। तीलो से छाज, मूढ़े, झोपड़ी, झूले आदि बनाये। उनके कार्य के प्रति जोश को देख मैं हैरान हो गई। मात्र 15 दिनों में इतना सामान बना डाला कि सभी उनकी सराहना किये बिना न रह सके।

सिलाई सीखने वाली छात्रों और महिलाओं ने भी अपनी कुशलता का प्रदर्शन किया। उन्होंने कढ़ाई वाली कतरनों से सुन्दर पेटिंग बनाई। एक छात्रा ने कढ़ाई कर जोकर बनाया। बटन लगा आँखे बनाई, काज बना कर मुहँ और हुक आई बना नाक बनाया। टोपी में सितारे व स्टोन लगा प्रदर्शनी में चार चांद लगा दिये।

शिक्षा के साथ, कला में सृजनात्मकता व नवीनता सम्पूर्णता का भाव लाता है। बच्चों ने मेरी सोच से अधिक कर दिखाया। अतः 'उड़ान' के बच्चों पर मुझे नाज़ है।

बच्चों का मनोबल बढ़ाने के लिए क्रेज़ीग्रीन के लीडर और उनकी टीम, अध्यापक वर्ग और अतिथियों ने सराहना की जिससे कलाकारों का मन मयूर नाच उठा। यह नया व प्रथम प्रयास सफल रहा।

उमेश भटेजा
(सेवानिवृत अध्यापिका) **डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल,**
(प्रधानाचार्य) **प्रयास स्कूल**

"उड़ान पाँच सालः चमत्कारिक यात्रा"

कबाड़ बीनते बच्चों ने उड़ान स्कूल में 5 साल पहले पढ़ना शुरू किया तो कोई नहीं जानता था कि यह मंदिर की छत पर लगाया गया छोटा सा पौधा सिर्फ 5 साल में पूरी बस्ती को छाया देने लगेगा। सिर्फ 5 साल में उड़ान ने इंदिरा कैम्प कॉलोनी में एक क्रांति पैदाकर दी जिससे जानवरों से बदतर जिन्दगी गुज़ारते लोगों का जीवन पूरी तरह बदल गया। उनका रहन–सहन, उसके बोलने का ढंग और उनके जीवन का नज़रिया सिर्फ 5 सालों में बदल गया। हम सभी लोग ऐसी छोटी–छोटी क्रांति कर देश को बदल सकते हैं। आओ साथियों मिलकर काम करें क्योंकि देश को हमारी ज़रूरत है।

"Educational Trip to Delhi"

For the first time **"UDAAN"** School kids went on a trip to the National capital Delhi. Thanks to Govind Aggarwal & member of Ashray foundation for Sponsoring a trip of students & Volunteers .

Visit to Humanyu's Tomb Experiencing laser Show

Udaan Kids Travelled in Metro & their saw Escalators for the first time.

Stay in Lavish Hotel & using Five Star Toilets was only a Dream.

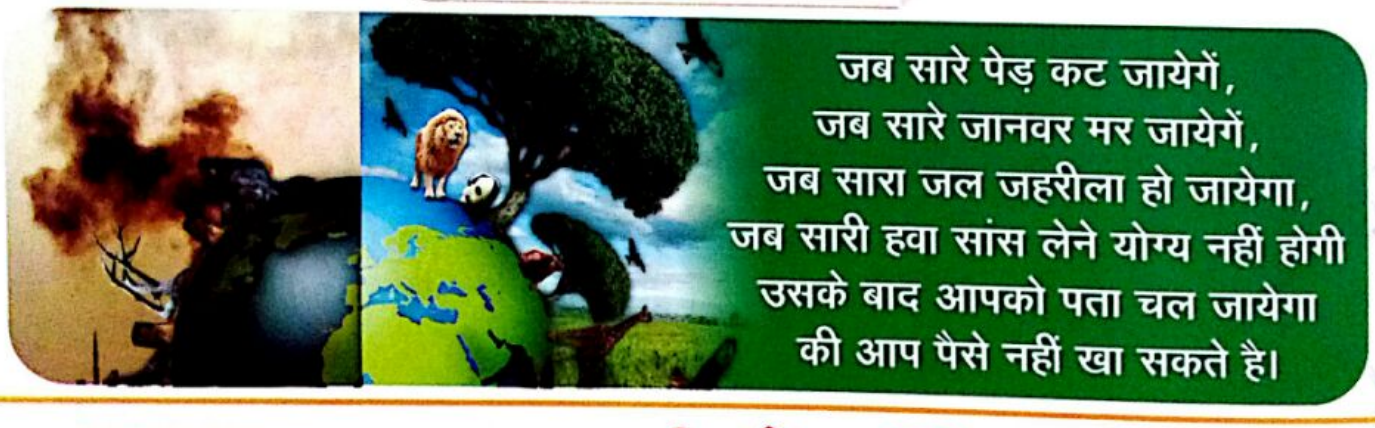

Contact:
उड़ान बाल एवं प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र
UDAAN CHARITABLE DISPENSARY

Link Road, Saharanpur - 247001 (U.P.) **Mobile: +91-9634200601, +91-8449000600**

Website: www.panchtatva.in **Blog:** Antarmann
Email: udaangivingwings@gmail.com, info@panchtatva.in

Registered Office (Crazygreen):
64, Bhagwati Colony,
Behat Road, Saharanpur

find us on